the issue at various levels, the Centre has failed to resolve the issue, thereby depriving Rajasthan of its due share of power.

The matter was also discussed at a meeting held on 16.9.98, at Chandigarh, wherein Punjab expressed the view that other States had no share in its power projects, as they had the riparian right to use the waters of rivers flowing through Punjab, and that power generation was non-consumptive as the expenditure on these projects was borne by Punjab.

The Central Government neither granted a special allocation from the Central Sector power stations, nor did it refer the issue to the Supreme Court, on power-sharing from various projects in Punjab in order to allocate equal share of power from the Central generating stations, among the three States.

The Centre should ensure that all the States honour the Agreement of 1984 and its terms thereof.

I urge upon the Government to enhance the central allocation quota to Rajasthan to a minimum level of 40%.

SHRI MOOLCHAND MEENA (Rajasthan): Sir I associate myself with what the hon. Member has said.

उपसभापति: श्री मूल चन्द मीणा, अब आप एसोसिएशन के बाद अपने सब्जेक्ट पर बोलिए।

Implementation of reservation policy for SCs/STs by universities

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान)**:** मैडम, धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपने मेरा नाम पुकारा।

देश के विभिन्न विश्व विद्यालयों में संविधान के अनुसार शैड्यूल्ड कॉस्ट व शैड्यूल्ड ट्राइब्स के रिजर्वेशन की व्यवस्था है। लेकिन देश के कई विश्व विद्यालय ऐसे हैं जो इस रिजर्वेशन की नीति को लागू नहीं कर रहे हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा व दिल्ली आदि ऐसे राज्यों में विश्व विद्यालय हैं जो शैड्यूल्ड कॉस्ट व शैड्यूल्ड ट्राइब्स के आरक्षण की नीति के अनुसार जो पद हैं चाहे वह शैक्षणिक हैं, चाहे वह प्रशासनिक हैं उनको नहीं भरा जा रहा है बल्कि आरक्षण के जो पद हैं इनको अस्थाई तौर पर सामान्य वर्ग से भर दिया गया है। इसलिए मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि जो यूनिवर्सिटी शैड्यूल्ड कॉस्ट व शैड्यूल्ड ट्राइब्स के आरक्षण की नीति को लागू नहीं कर रही हैं, आरक्षित पदों को नहीं भर रही हैं या सामान्य वर्ग से भर रही हैं ऐसे विश्व विद्यालयों को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा दी जाने वाली ग्रांट तब तक न दी जाए जब तक वह इस नीति को लागू नहीं कर दें।

उपसभापति: आपने जो लिखा है वही पढ़ रहे हैं क्या?

श्री मूलचन्द मीणा(राजस्थान)**:** उस सब्जेक्ट के आगे नहीं है मैडम्।

उपसभापति: सब्जेक्ट पर तो पूरे दिन विचार-विर्मश हो सकता है। मगर आप टेक्सट से पढ़िए।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश)**:** एडवांस इंफार्मेशन आई है मैडम।

श्री मूलचन्द मीणा(राजस्थान)**:** मैडम, मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि जो यूनिवर्सिटियां आरक्षण की नीति को लागू नहीं कर रही हैं, उनसे इस आरक्षण की नीति को लागू करायें।...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND POVERTY ALLEVIATION (SHRI O. RAJAGOPAL): He should read from the written text. ... *interruptions)...*

उपसभापति: आप टैक्स्ट से पढ़िए**.....***(Interruptions)...* If he has memorised his Special Mention, then he can speak without reading his text. But it should be finished within the prescribed limit of three minutes. ...*(Interruptions)...*

श्री मूलचन्द मीणा(राजस्थान)**:**मैडम, जो यूनिवर्सिटियां इस आरक्षण की नीति को लागू नहीं कर रही हैं, उनको युनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता को रोक दिया जाये जिससे कि आरक्षण की नीति का पालन हो सके। दलित, पिछड़े और गरीब लोगों के लिए जो आरक्षण की व्यवस्था है, उनको रीडर, व्याख्याता और प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति मिल सके, इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। धन्यवाद।

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Madam, I associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member.

Pathetic condition of C.G.H.S. dispensaries

डा. अलादी पी. राजकुमार(आन्ध्र प्रदेश)**:** थैंक्यू मैडम। थोड़ी देर के लिए मैं अपने को भाग्यवान समझा जब प्रधान मंत्री जी यहां सदन में कुर्सी पर बैठे हुए थे। इस इंपोर्टेंट स्पेशल मैंशन को मैं प्रधान मंत्री जी के कानों तक पहुंचाना चाहता था। मैडम, अभी मेरे भाग्य से भगवान ओ. राजगोपाल जी हैं। मैडम, यह बहुत महत्वपूर्ण मसला है। इससे पहले मैंने स्वास्थ्य मंत्री जी को एक लेटर लिखा, उनका रिप्लाई आया, उन्होंने एक्सेप्ट भी किया और इस सेशन में मेरा पहले नम्बर पर क्वेश्चन भी आया, अनफॉरच्यूनेटली हमारे कुलीग का इंतकाल होने के कारण उस दिन हाउस नहीं था। मैं आपके माध्यम से ओ. राजगोपाल जी से रिक्वेस्ट करूंगा कि वे प्रधान मंत्री तक या स्वास्थ्य मंत्री तक इसको लेकर जा सकते हैं, इसके लिए मुझे उनकी सहायता चाहिए।